पश्चिम बंगाल में कृषक व्यवसाय प्रोत्साहन कक्ष की स्थापना

By **Kolkata Desk** - August 1, 2018

कोलकात्ता: केंद्र सरकार, राज्य सरकार और ग्रँट थॉर्नटन इंडिया के सहयोग से पश्चिम बंगाल में कृषी व्यवसाय प्रोत्साहन कक्ष का निर्माण किया गया है। इसका मुल मकसद किसानों की मदद कर उनके आय में वृद्धी करवाना है।

सोमवार से शुरु हुए इस दो दिनों के बैठक में 34 कृषी उत्पादक संस्थाओं के प्रतिनिधीयों को प्रशिक्षण दिया गया। जिसके लिए कृषी आधारीत उद्योग, बैंकिंग, तकनीक और कृषी के क्षेत्र में 20 कंपनी और संस्थान ने सहोग किया।

किसानों को मार्गदर्शन करने के लिए लघू किसान कृषी व्यवसाय संघ (एसएफएसी) के प्रबंध निदेशक सुमंता चौधरी, कृषी विपनण विभाग के सचिव राकेश सिन्हा, सह सचिव अशोक कुमार दास, हॉर्टीकल्चर विभाग के निदेशक डॉ. पीयूष कांती प्रमाणिक, सुफल बांगला के प्रकल्प निदेशक गौतम मुखर्जी, ग्रँट थॉर्नटन के निदेशक अमरिंदर सिंह, सहयोगी निदेशक चिराग जैन, रोहित नागपाल, योगेश शर्मा, आदि उपस्थित रहे।

इस दौरान किसानों को कृषf उत्पादक संस्थाओं की यशोगाथा, कंपनी व्यवस्थापन की जानकारी, संस्था के संचालन के लिए आवश्यक स्किल इनपुट और व्यवस्थापकीय कौशल्य, पुंजी और वित्तीय सहायता, आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है।

इसके साथ ही कृषी संस्थाओं के साथ बड़े उद्योगों संग बेहतर तालमेल मिलाने के लिए निर्माण किये गये बायर सेलर इंटरफेस प्लॅटफॉर्म के बारे में भी जानकारी दी गई।

गौरतलब है पुरे देश में लगभग चार हजार कृषी उत्पादक संस्थाए कार्यरत है। इन संस्थाओं को विश्व बैंक, नाबार्ड, एफएसएसी की मदद से शुरू किया गया है। संस्थाओं मे से चार सौ संस्थाएं तो पश्चिम बंगाल में है।